डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करुंगा और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करुंगा।
- अमन सहरावत

ओलंपिक मेडलिस्ट, कुश्ती महासंघ द्वारा प्रतिबंध को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — कुलदीप यादव

भारत ने अब तक दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में एक आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही एक बेहतर विकल्प है। तीसरे मैच में जीत दर्ज करने के लिए भारत को अपनी गेंदबाजी यूनिट में बदलाव करने की जरूरत है और इस बात की संभावना है कि शायद कुलदीप यादव की टीम में एंट्री हो। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी?

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 56 मुकाबलों में 40 में कंगारू और 14 में भारत को जीत मिली है।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी, 24 अक्टूबर। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, ''हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं।'' 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, ''लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे।'' इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

उन्नति और रोहन-रुथविका और कविप्रिया-सिमरन की जोड़ी फ्रेंच ओपन में हारी

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नित हुडा महिला एकल, रोहन कपूर-रुथविका गड्डे मिश्रित युगल और कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी की जोड़ी को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 के युगल में मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। गुरुवार को खेले गये मुकाबले के दूसरे राउंड में 18 साल की उन्नित हुड्डा को एकल मुकाबले में चीन की वांग झीयी से 21-14, 21-11 से हार का सामना करना पड़ा।

सम्मान बचाने उतरेगा भारत, विराट कोहली और शुभमन गिल पर होगी नजर

सिडनी, 24 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले को जीत भारत सम्मान बचाने उतरेगा। पिछले दो मैचों में विफल रहे कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली पर सभी की नजर होगी।

पूर्व कप्तान और शानदार एंकर कोहली ने अभी तक इस सीरीज में अपना दबदबा नहीं दिखाया है, जबकि टीम की कप्तानी कर रहे गिल शीर्षक्रम में नियंत्रण बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके कंधों पर बहुत बड़ा बोझ है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हर मोर्चे पर पटखनी दी है। कोहली और रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं, ऐसे में दोनों ही बल्लेबाज सीरीज के अंतिम मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज का सुखद अंत करना चाहेंगे।

कप्तान शुभमन गिल के लिए यह दौरा कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से भी अच्छा नहीं रहा है। गिल ने पहले दो मैच में कुल 19 रन ही बना पाए हैं। मध्य क्रम में के एल राहुल ने पहले और श्रेयस अय्यर ने दूसरे मैच में अच्छी बल्लेबाज़ी की थी लेकिन भारत इन दोनों के एक साथ प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगा। सिडनी में भारत को सार्थक चुनौती पेश करने के लिए कोहली को अपनी लय, टाइमिंग और दबदबा वापस आना होगा और गिल को पारी की शुरुआत में उदाहरण पेश करते हुए

नेतृत्व करना होगी, ताकि बाद में आने वालों के लिए माहौल सेट हो सके।

वहीं आत्मविश्वास से भरा हुआ ऑस्ट्रेलिया सीरीज का आखिरी मैच जीतकर क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान में उतरेगा है। मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड शुरुआती आक्रामकता प्रदान करते हैं, जबकि मैथ्यू शॉर्ट और मैट रेनशॉ बीच के ओवरों में पारी को स्थिरता देते हैं। कूपर कॉनली और मिशेल ओवेन फिनिशिंग पावर देते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि मोमेंटम कभी रुके नहीं। जोश हेज़लवुड, मिशेल स्टार्क, ज़ेवियर बार्टलेट और एडम जम्पा की अगुवाई वाला गेंदबाजी आक्रमण सटीक और लगातार रहा है, जिससे पिछले दोनों मुकाबलों में भारतीय बल्लेबाज दबाव में रहे हैं।

एकदिवसीय प्रारूप में दोनों के बीच कुल 154 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 86 में ऑस्ट्रेलिया और 58 में भारत को जीत मिली है। भारत में खेले गए 72 मुकाबलों में 34 में ऑस्ट्रेलिया और 33 में भारतीय टीम को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 56 मुकाबलों में 40 में कंगारू और 14 में भारत को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 26 मैचों में से 11 में भारत और 12 में ऑस्ट्रेलिया ने जीते है।

भारत आक्रमण में धारा लेने के लिए कुलदीप यादव का रुख कर सकता है। बाएं हाथ के रिस्ट-स्पिनर की गेंद को दोनों तरफ घुमाने और इनिंग्स के आखिर में रफ पैच का फायदा उठाने की काबिलियत ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर को परेशान कर सकती है, खासकर मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह के साथ नई गेंद से, और बीच के ओवरों में वाशिंगटन सुंदर के कंट्रोल से। यह काफी हद तक कोहली और गिल के फॉर्म और अथॉरिटी में वापस आने पर निर्भर करता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की बात की जाये तो यह शुरुआत में सीम मूवमेंट और असमान उछाल ओपनर्स के लिए चुनौती पेश करते हैं। स्पिनर्स को बाद में फायदा मिलता है।

पिच और परिस्थितियां

शनिवार को सिडनी में मौसम साफ और सुहावना रहने की उम्मीद है। हालिया समय में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर स्पिन को उतनी मदद नहीं देखी गई है लेकिन सपाट सतहों पर स्पिन गेंदबाज अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने यहां की परिस्थितियों का भरपूर आनंद लिया है और यहां पिछले लगातार छह वनडे जीत में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने बड़े स्कोर बनाए हैं।

संभावित एकादश ऑस्ट्रेलिया:- मिशेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनोली, मिशेल ओवेन, जेवियर बार्टलेट, मिशेल स्टार्क/बेन ड्वारशुइस, एडम ज़म्पा, जोश हेजलवुड/नाथन एलिस

संभावित एकादश भारत:- रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

एक बार जब विराट तेजी से स्ट्राइक रोटेट करना शुरू कर देते हैं, तो फिर उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है : इरफान पठान

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। एडिलेड में रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में 2-0 से अपराजेय बढ़त बना ली है, अब नजरें सिडनी में होने वाले आखिरी वनडे पर टिकी हैं। अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाकर, भारत इस सीरीज़ का अंत सकारात्मक अंदाज में करना चाहेगा। जियोस्टार पर एक्सक्लूसिव बातचीत में, विशेषज्ञ इरफ़ान पठान, अभिषेक नायर और आकाश चोपड़ा ने अपनी राय साझा की कि सीरीज के आखिरी मैच में सांत्वना भरी जीत हासिल करने के लिए टीम इंडिया को क्या करना होगा। इरफ़ान पठान ने विराट कोहली के फॉर्म और दृष्टिकोण पर बात करते हुए कहा, ''विराट कोहली का फॉर्म महत्वपूर्ण है। उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने की ज़रूरत है। क्योंकि एक बार जब वह ऐसा करने लगते हैं, तो किसी भी विरोधी टीम के लिए उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि विराट तेज़ी से स्ट्राइक रोटेट करना शुरू कर देंगे, बोर्ड पर कुछ रन बनाएंगे, और एक बार ऐसा हो जाने के बाद, उन्हें पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं होगी।''

अभिषेक नायर ने भारतीय तेज गेंदबाज़ों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा,''भारत के तेज गेंदबाज़ों को ज़्यादा विकेट लेने होंगे। इन ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उन्हें जिस तरह की मदद मिल रही है, उसे देखते हुए उन्हें परिस्थितियों का पूरा फ़ायदा उठाना होगा और अपने प्रदर्शन में इसे दिखाना होगा। मैं भारतीय तेज गेंदबाज़ों को, खासकर नई गेंद से, शुरुआत में ही स्ट्राइक करते और प्रभाव छोड़ते देखना चाहूँगा।'' आकाश चोपड़ा ने कुलदीप यादव को टीम में शामिल करने के बारे में कहा, ''सिडनी में तीन तेज गेंदबाज़ों की जरूरत शायद न पड़े, क्योंकि यह आमतौर पर स्पिन के लिए अनुकूल पिच होती है। कुलदीप यादव को यहाँ गेंदबाजी करना पसंद है; यह एक बड़ा मैदान है, और आप बीच के ओवरों में इसका फ़ायदा उठा सकते हैं। भारत को कुलदीप को खिलाना चाहिए और बीच के ओवरों का फ़ायदा उठाना चाहिए, जिससे विकेट लेने के मौके बनेंगे और स्पिन के जरिए दबाव बनेगा।'' भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे 2025 के तीसरे वनडे मैच का पूरा प्रसारण 25 अक्टूबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9 बजे , जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव देखा जा सकता है।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज में ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारशिवस की वापसी

सिडनी 24 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारशिवस की वापसी बुलाया तथा तेज गेंदबाज माहली बियर्डमैन को भी टीम में जगह दी गई है। इसी के साथ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय के लिए जैक एडवर्ड्स को टीम में बुलाया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने दोनों सफेद गेंद टीम में बदलाव की पुष्टि करते हुए तीसरे एकदिवसीय से मार्नस लाबुशेन को रिलीज कर दिया। लाबुशेन मंगलवार से गाबा में शुरू हो रहे क्वींसलैंड के लिए एनएसडब्ल्यू के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मुकाबले की तैयारी करेंगे। इसके अलावा जॉश हेजलवुड और सीन एबट दोनों ही टी-20 सीरीज के अंतिम चरण के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। वह 10 नवंबर से एससीजी में शुरू हो रहे विक्टोरिया के लिए एनएसडब्ल्यु के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मैच के लिए उपलब्ध होंगे।

मोहसिन नकवी ने की एक और गिरी हुई हरकत

एशिया कप ट्रॉफी को एसीसी मुख्यालय से हटाया

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी अपनी हरकतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर अब पीसीबी चीफ ने एक और ओच्छी हरकत कर दी है। पहले तो 28 सितंबर को फाइनल मैच के बाद टूर्नामेंट की विजेता टीम इंडिया को ट्रॉफी सौंपने के बजाय वह उसे अपने साथ एसीसी मुख्यालय ले आए। उसके बाद अब रिपोर्ट आ रही है कि उन्होंने ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय से हटाकर किसी अनजान जगह पर रखवा दी है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारतीय टीम ने एशिया कप के मैचों में पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया था। टीम इंडिया ने 28 सितंबर को एशिया कप के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को कड़ी शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था।

पीयूष पांडे का निधन

जयपुर, 24 अक्टूबर। राजस्थान के पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी पीयूष पांडे का निधन आज हुआ। पीयूष पांडे जन्म 5 सितंबर 1955 को हुआ था। उन्होंने राजस्थान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज़ के रूप में 5 रणजी ट्रॉफी मैच खेले हैं। उन्होंने 1977-78 में नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था।

राजधानी

राजस्थान पेट्रो जोन पचपदरा में भूखंडों की आवंटन प्रक्रिया शुरू

राजस्थान रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों से लगेंगे नये उद्योग

-कार्यालय संवाददता-

जयपुर। पचपदरा (बालोतरा) में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड द्वारा स्थापित की जा रही रिफाइनरी में शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने जा रहा है। इस वजह से रिफाइनरी के निकट रीको द्वारा स्थापित राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) में भी उद्यमियों का रूझान बढ़ रहा है, क्योंकि रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों का उपयोग आरपीजेड में लगने वाले उद्योगों में ही कच्चे माल के रूप में हो सकेगा। इसके मद्देनजर आरपीजेड में भूखण्ड आवंटन के लिये उद्यमी रीको से लगातार संपर्क कर रहे है। रीको प्रशासन ने भी आरपीजेड एरिया में भूखण्डों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

इसी कड़ी में प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिये 11 भूखण्डों के ऑफर लेटर भी जारी कर दिये गये हैं, जिससे लगभग 65 करोड़ रूपये का निवेश होगा। इसके अतिरिक्त 25 अन्य उद्यिमयों ने भी राजस्थान सरकार के साथ राइजिंग राजस्थान के तहत पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योग लगाने हेतु एमओयू निष्पादित किये हैं। इन एमओयू से राज्य में करीब 200 करोड़ रूपये का निवेश होगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। राजस्थान का क्रूड ऑयल तथा नेचुरल गैस के उत्पादन में देश में प्रमुख स्थान है। आरपीजेड में लगने वाले पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योगों से राजस्थान अब इस क्षेत्र में भी अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। ऐसे उद्यमी जिनके पास पेट्रोकेमिकल एवं केमिकल्स में टेक्निकल योग्यता तो है, परंतु पूंजी की उपलब्धता नहीं है, उनके लिये रीको आरपीजेड में ही प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड भी बना रहा है, जिससे इस तरह के तकनीकी उद्यमी अपना उद्योग शुरू कर सकें। रीको ऐसे करीब 8 प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड्स का आरपीजेड में निर्माण कर रहा है। एक शेड की कीमत करीब 3 करोड़ रूपये है। इन उद्योगों के लिये फीडस्टॉक की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

- **प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिये 11 भूखण्डों के ऑफर लेटर जारी किए जा चुके, इससे लगभग 65 करोड़ रूपये का निवेश होगा**
- **इसके अलावा 25 उद्यिमयों ने सरकार के साथ राइजिंग राजस्थान में एमओयू किए हैं, जिनसे राज्य में 200 करोड़ रूपये का निवेश के साथ रोजगार भी बढ़ेगा**

राजस्थान पेट्रो जोन रिफाइनरी से मात्र 12 किमी की दूरी पर स्थित है तथा अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग 25 से जुड़ा हुआ है। इस परियोजना से प्लास्टिक व पॉलिमर प्रोसेसिंग, रबड़ व पीयू मैन्युफैक्चरिंग, टेक्निकल टैक्सटाइल, रसायनिक एवं फार्मास्यूटिकल जैसे उद्योगों के जरिये राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। यह सभी उद्योग प्रोपलीन, बेंजीन, टोल्यून और ब्यूटाडाइन जैसे फीडस्टॉक का उपयोग करेंगे।

पेट्रो जोन के पहले चरण में ''एलएलडीपीई और एचडीपीई'' जैसे कच्चे माल पर आधारित डाउनस्ट्रीम उद्योगों की स्थापना पर विशेष ध्यान रहेगा। आरपीजेड विकसित होने से रिफाइनरी से निकलने वाले उत्पादों का बेहतर इस्तेमाल यहीं पर हो सकेगा तथा इससे रिफाइनरी को भी इन डाउनस्ट्रीम उत्पादों को अन्य शहरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में परिवहन नहीं करना पडेगा, जिससे रिफाइनरी को भी फायदा होगा।

राजस्थान में मनमाने ढंग से फीस नहीं वसूल सकेंगे निजी मेडिकल कॉलेज

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में संचालित सभी निजी मेडिकल कॉलेजों को फीस संरचना के नियमों की कडाई से पालना सुनिश्चित करनी होगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि पूर्व में कुछ निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा मनमाने ढंग से फीस वसूलने की शिकायतें मिली थी । इसके बाद राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के हित में फीस वसूली के नियमों में पूर्ण पारदर्शिता रखने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस्लामिक एकेडमी ऑफ एजुकेशन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में दिए गए निर्णय की अनुपालना में यह आदेश जारी किया गया है, जिसमें निजी शैक्षिणक संस्थानों में शुल्क निर्धारण और प्रवेश प्रक्रिया को विनियमित करने पर जोर दिया गया है। आदेश के अनुसार राज्य स्तरीय शुल्क निर्धारण समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना का पालन सभी मेडिकल कॉलेजों के लिए अनिवार्य है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि यह आदेश मुख्य रूप से निजी चिकित्सा महाविद्यालयों द्वारा अनाधिकृत रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायतों के आधार पर जारी किया गया है। विशेष रूप से यूजी काउंसलिंग बोर्ड की वेबसाइट पर कुछ निजी कॉलेजों द्वारा 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर अतिरिक्त शुल्क प्रदर्शित किया जा रहा है, जो शुल्क नियामक समिति द्वारा अधिकृत नहीं है। यह सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अवहेलना है, जिसमें शिक्षा को लाभकारी व्यवसाय बनाने पर रोक लगाई गई है।

- **कुछ कॉलेज 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर कर रहे थे अतिरिक्त वसूली : चिकित्सा शासन सचिव**
- **अगर किसी ने ज्यादा शुल्क लिया तो ब्याज सहित लौटाना होगा, संबद्धता हो सकती है समाप्त : अम्बरीश कुमार**

कई मामलों में विद्यार्थियों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल करने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। राज्य सरकार को प्राप्त शिकायतों और निरीक्षणों से पता चला कि कुछ संस्थाएं व्यावसायीकरण की प्रवृत्ति अपनाकर विद्यार्थियों का शोषण कर रही हैं, जो संवैधानिक मूल्यों के विरूद्ध है। इस आदेश से ऐसी अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सकेगी। आदेश के अनुसार निजी चिकित्सा महाविद्यालयों को अनुमोदित शुल्क संरचना का पालन करना होगा। सभी निजी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं डेंटल महाविद्यालयों को समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना के अनुसार ही विद्यार्थियों से शुल्क वसूल करना होगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि किसी भी संस्था द्वाराअनुमोदित शुल्क से अधिक कोई अन्य शुल्क वसूला जाता है तो प्रभावित विद्यार्थियों को 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ शुल्क वापस किया जाएगा। नियमों का अनुपालन न करने पर संस्था की संबद्धता आरयूएचएस एवं एमएमयू से समाप्त की जा सकती है, अतिरिक्त शुल्क कॉलेज की संपत्तियों से वसूल किया जाएगा और प्रभावित विद्यार्थियों को अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा। ऐसी संस्थाओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इसकी जानकारी एनएमसी एवं डीसीआई को भी दी जाएगी। संबद्धता समाप्त होने पर विद्यार्थियों के शुल्क और वित्तीय भार की वसूली संबंधित संस्था से की जाएगी।

राज्य सरकार के इस आदेश से विद्यार्थियों से अनुचित फीस वसूली पर प्रभावी रोकथाम लगेगी। साथ ही, चिकित्सा शिक्षा अधिक सुलभ और किफायती बनेगी। इससे मेरिट आधारित प्रवेश प्रक्रिया मजबूत होगी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, व्यावसायीकरण पर रोक लगेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

चिकित्सा शिक्षा का स्तर बेहतर होगा और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान करने वाले योग्य डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी। ईमानदार संस्थाओं को समान प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा है कि विद्यार्थी और अभिभावक प्रवेश से पहले शुल्क की आधिकारिक सूची की जांच कर लें और कोई अनियमितता पाएं तो तुरंत चिकित्सा शिक्षा विभाग या शुल्क निर्धारण समिति से शिकायत करें।

हवन-यज्ञ के साथ पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का अनौपचारिक शुभारंभ हुआ

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में चिकित्सा विज्ञान का नया इतिहास गढ़ा गया। स्वामी रामदेव महाराज तथा आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में यज्ञ-अग्निहोत्र के अनुष्ठान व वेदमंत्रों के साथ पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का अनौपचारिक प्रारंभ किया गया।

स्वामी रामदेव ने कहा कि आज चिकित्सा विज्ञान के अनुष्ठान का नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। पतंजलि की यह व्यवस्था चिकित्सकीय लोकतांत्रिक व्यवस्था है जो रोगियों के लिए न्यायप्रधान है। उन्होंने घोषणा की कि हरिद्वार में तो इस हॉस्पिटल का मात्र बीजारोपण है, दिल्ली, एन.सी.आर. में एम्स, अपोलो या मेदांता से भी बड़ा वर्जन बहुत जल्द सामने आएगा। विशेष बात यह रहेगी कि यह कॉरपोरेट हॉस्पिटल नहीं कॉपरेट हास्पिटल होगा, जिसमें व्यापार नहीं [illegible] की सेवा की जाएगी। हमारा उद्देश्य एकीकृत चिकित्सा पद्धित के तहत रोगियों को आरोग्य प्रदान करना है। स्वामी रामदेव ने कहा कि यहां पर कैंसर की सर्जरी को छोड़कर अत्यंत जटिल मानी जाने वाली ब्रेन, हार्ट व स्पाइन की सर्जरी की भी व्यवस्था होगी। भविष्य में कैंसर की सर्जरी सुलभ कराने की भी हमारी योजना है। रोगियों को एम.आर.आई., सी.टी. स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, पैथोलॉजिकल जाँच आदि की सुविधा भी यहाँ मिल सकेगी। पूरे विश्व के टॉप पैरामीटर्स का यहाँ अनुसरण किया गया है। यहाँ प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों की सर्जरी तथा क्रिटिकल केयर की व्यवस्था है। पतंजलि में बहुत आवश्यक होने पर ही सर्जरी की जाएगी और रोगी हॉस्पिटलों के मनमाने पैकेज के बोझ से भी बच सकेंगे।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि चिकित्सा के लिए मॉडर्न मेडिकल साइंस की मात्र 20 प्रतिशत ही आवश्यकता है। इसमें 80 प्रतिशत परंपरागत चिकित्सा को जोड़ दिया जाए तो चार से पाँच वर्षों में ही पूरी दुनिया में चिकित्सा व्यवस्था को व्यवस्थित करने में हम सफल हो जाएँगे। क्रिटिकल केयर के लिए जहाँ एक ओर मॉडर्न मेडिकल साइंस को हमें स्वीकारना होगा तो वहीं असाध्य समझे जाने वाले रोगों के लिए योग-आयुर्वेद को भी हमें समाधान के रूप में स्वीकार करना होगा। चरक व सुश्रुत संहिता में उल्लिखित है कि चिकित्सक को जो संकल्प दिलाया जाता है, वह किसी पैथी विशेष के लिए नहीं अपितु रोगी को निरोग करने के लिए दिलाया जाता है। आज हमारा चिकित्सकीय ज्ञान पैथियों में बंट चुका है, परंतु लक्ष्य तो पैथियों में बंटना नहीं था। लक्ष्य तो रोगी को निरामय करना था। कार्यक्रम में डॉ. सुनील अहूजा, डॉ. एन.पी. सिंह, डॉ. साध्वी देवप्रिया, अंशुल शर्मा, पारूल शर्मा, डॉ. सम्भ्रांत, ब्रिगेडियर टी.सी. मल्होत्रा, डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, इमरजेंसी विभाग से डॉ. अनिल दास, डॉ. नितिन कुमार चंचल, आई.सी.यू. विभाग से डॉ. श्वेता जायसवाल, डॉ. अंकित कुमार बोधखे, न्यूरो विभाग से डॉ. गौरव सिंह अभय, ऑर्थोपैडिक विभाग से डॉ. मनोज त्यागी, एनेस्थिसिया विभाग से डॉ. संजय महेश्वरी, कार्डियोलॉजी विभाग से डॉ. कृष्णा सी.के., जनरल सर्जरी विभाग से डॉ. कशीश सचदेवा, रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. केशव चंद गुप्ता व डॉ. शोभित चंद्रा, दंत चिकित्सा विभाग से डॉ. कुलदीप सिंह तथा डॉ. गुरप्रीत ऑबराय तथा पैथोलॉजी विभाग से डॉ. एस. रेणुका रानी मौजूद थे।

डीजीपी कराए चेक बाउंस के आरोपी के गिरफ्तारी वारंट की तामील

जयपुर । चैक अनादरण मामलों की विशेष अदालत, महानगर प्रथम ने बीस लाख रुपए के चेक बाउंस के पांच साल पुराने मामले में आरोपी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील नहीं होने को गंभीर माना है। इसके साथ ही अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वह आरोपी गोपाल सिंह बोहरा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील कराए। पीठासीन अधिकारी ललिता कुमारी सोनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट ने पांच व दस साल से ज्यादा पुराने केसों के जल्द निस्तारण के सख्त निर्देश दे रखे हैं। ऐसे में आरोपी के गिरफ्तारी वारंट की तामील सुनिश्चित करना जरूरी है। मामले से जुडे अधिवक्ता एसजे मूथा ने बताया कि आरोपी ने परिवादी रघुवीर सिंह से निजी जरूरतों के लिए 20 लाख रुपए उधार लिए थे। वहीं इस राशि के भुगतान के लिए उसे चेक दिए, लेकिन यह चेक 29 मई 2018 को आरोपी के हस्ताक्षर अलग होने के चलते बाउंस हो गया। उसने आरोपी को विधिक नोटिस भी दिया, लेकिन फिर भी चेक राशि का भुगतान नहीं किया।